(Mr. Speaker)

conditions and under these rules, and I have admitted it. So simple it is. I have done it according to the rules and according to the rules, my dear friend, I will do. I will not budge even an inch from the rules. It is upto you to decide the time.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER : If this is the way, then I will have to reconsider. If there is this intransigence and this non-cooperative attitude, then I have to reconsider.

आपके मेम्बर्स, मेरे साथ बैठ कर सारा फैसला हमने किया है। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में फैसला हुआ है। (व्यवधान)*

उसके बाद भी नहीं हुआ तो यह देश जानता है, आप सब जानते हैं।

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER : I adjourn the House till 3.30 PM.

15.08 hrs.

The Lok Sabha adjourned till Thirty minutes past Fifteen of the clock.

The Lok Sabha re-assembled at thirty minutes past Fifteen of the clock.

DR. RAJENDRA KUMARI BAJPAI *in the Chair.*)

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : सभापति महोदय, मेरा नाम आज के प्राइवेट मेम्बर्स में बोलने वालों में पहला है। यह अपाजीशन का निर्णय है कि अभी तक जो सरकारी काम काज था, जो आन्ध्र प्रदेश में कांस्टीट्यूशनल सेट अप और ब्रेक डाउन हुआ है उसके विरोध में हमने हाउस की कार्यवाही नहीं चलने दी। अब प्राइवेट मेम्बर्स बिजनेस है, और अपोजीशन का यह निर्णय है कि हम लोग सदन का बायकाट करते हैं।

15.31 hrs.

Some Hon. Members then left the House

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND SPORTS WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH): This is not true; this is not a fact that they did not allow the House to function. The House knows it very well that the House had disposed of four very important items on the agenda. Therefore it is not correct to say that the House did not function; the House did function and we disposed of four very important items on the agenda today.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN : Whatever Mr. Chandrajit Yadav has said will not go on record. I am not allowing that. I will not be reported.

*(Interruptions)**

SHRI BUTA SINGH : This shows how the opposition is out to destroy democracy even inside the Parliament.

15.34 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTION'S

Eightieth Report

PROF .P.J. KURIEN (Mavelikara) : I beg to move

> "That this House do agred with the Eightieth Report of the Committee on Private Members Bills and resolutions presented to the House on the 14th August, 1984.',

*Not recorded.

MR. CHAIRMAN: The question is ;

"That this House do agree with the Eightieth Report of the Committee on Private Members, Bills and Resolutions presented to the House on the 14th August, 1984."

— —

The motion was adopted.

15.35 hrs.

RESOLUTION RE. DEVELOPMENT OF RURAL AREAS *Contd.*

MR. CHAIRMAN : The House will now continue further discussion of the following resolution moved by Shri Ram Lal Rahi on 27th April,1984:—

"This House is of the opinion that Government have failed to ameliorate the lot of low income group people through planned development of rural areas on account of serious inadequacies in the administrative machinery and therefore recommends to the Government to devise pragmatic policies by laying emphasis on education and moral values and by revamping the administrative structure so as to ensure integrated development of the rural areas for upliftment of the masses."

Shri Mool Chand Daga.

श्री मूल चन्द डागा (पाली) : सभापति महोदय, जिन माननीय सदस्य ने यह संकल्प रखा था, वह सदन से चले गए हैं। उन्होंने अपना कर्त्तव्य नहीं निभाया है। हालांकि मैंने उनको इस प्रांगण में देखा था, मगर वह सदन से चले गए हैं।

सबाल है ग्रामीण क्षेत्रों के विकास का माननीय सदस्य ने अपने संकल्प में तीन बातें कही हैं। उन्होंने कहा है कि हमने जो प्रोग्राम बनाया था, उसके अन्तर्गत इच्छित काम हम नहीं कर सके। उसका कारण उन्होंने यह बत या है कि लालफीताशाही के कारण हम काम नहीं कर पाए। उन्होंने परामर्श दिया है कि हमें अपने नैतिक मूल्यों में सुधार करना चाहिए। नैतिक मूल्य क्या है, यह विरोधी दल वाले ज्यादा समझते हैं। नैतिक मूल्य यह है कि सदन की कार्यवाही चलनी चाहिए। लेकिन इन्होंने यह किया कि सदन की कार्यावही नहीं चलने दी, उसमें बाधा उपस्थित की, सदन का समय नष्ट किया और इस तरह सारा दिन खराब कर दिया। फिर भी यह लोग हमें नैतिक मूल्यों के बारे में भाषण देते हैं।

प्रस्तावक महोदय ने कहा है कि हमारे देश में योजनाबद्ध विकास नहीं हुआ। हमने जो योजनायें बनाई हैं, जो कार्यक्रम बनाए हैं-आज हमारी छठी पंच-वर्षीय योजना समाप्त होने जा रही है -, हमें बिना हिचक के कहना चाहिए कि उनके लक्ष्यों को हम प्राप्त नहीं कर पाए हैं। उसका एक कारण है लालफीताशाही। हमारी जो योजनायें बनती हैं, वे किस प्रकार क्रियान्वित होती है ? 1958 में राजस्थान कैनाल की योजना बनी। स्वर्गीय गोविन्द वल्लभ पन्त ने उसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा था कि 1960 में राजस्थान कैनाल पूरी कर दी जायेगी वह 60 करोड़ रुपये की योजना थी, लेकिन आज वह योजना 600 करोड़ रुपये की हो गई है और अभी तक पूरी नहीं हुई है।

जितनी योजनायें हमने बनाई थीं, वे समय पर पूरी न होने के कारण हमारे विकास की गति में कमी रही। इसका सब से बड़ा कारण यह है कि हमारे जो सरकारी कर्मचारी भाई हैं, उन्होंने हमें उतना सहयोग नहीं दिया, जितना कि उन्हें देना चाहिए था। ये सरकारी कर्मचारी बड़े मजबूत लोग होते हैं और अगर मंत्री महोदय उनसे भी ज्यादा मजबूत हों, तभी वे